



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 7 सितम्बर, 2001/16 भाद्रपद, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

वन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 7 सितम्बर, 2001

संख्या एफ. एफ ई. वी-एफ (6) 2/99-II.--राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ने वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 18 के अन्तर्गत उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला किन्नौर के रूपी-भावा क्षेत्र अभ्यारण्य का गठन करने के आशय से अधिसूचना संख्या एफ.टी.एस.(एफ) 3-15/81, तारीख 28-3-1982 जारी की थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन यथाअपेक्षित उद्घोषणा तारीख 30-3-1991 को क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित करवा कर उपर्युक्त अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक कस्बे और गांव में परिचालित करवाई गई थी तथा जनसाधारण से विहित अवधि के भीतर आक्षेप प्राप्त हुए थे।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर ने उक्त अधिनियम की धारा 24(2) के अन्तर्गत उनमें विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा उठाए गये आक्षेपों का सावधानीपूर्वक विचार किया और निजी

भूमि वह वन भूमि जिन पर क्षेत्रीय लोगों के बहुत ज्यादा हक-हक्क हैं को रूपी-भाबा अभ्यारण्य से बाहर करने तथा इस भूमि पर लोगों के बुशेहर स्टेट की वन बन्दोवस्त रिपोर्ट, 1921 में दिये गये हक-हक्क यथावत रखने की सिफारिश की है।

और समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट का सुविचारित परिशीलन करने के पश्चात् राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश का यह समाधान हो गया है कि समाहर्ता जिला किन्नौर द्वारा अनुसूचित निजि भूमि व वन भूमि को रूपी-भाबा अभ्यारण्य जिसे इस रूप में 28-3-1982 को अधिसूचित किया गया था, से बाहर रखा जाए।

और राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश समाहर्ता, जिला किन्नौर की रिपोर्ट तथा मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) व मुख्य प्राणी संरक्षक, हिमाचल प्रदेश वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 24 (2) (ग) के उपबन्धों के अधीन की गई सहमति के आधार पर आदेश देते हैं कि स्थानीय निवासी, उन्हें बुशेहर स्टेट वन बन्दोवस्त रिपोर्ट, 1921 में, उपरोक्त अभ्यारण्य में प्रदत्त हक-हक्क का उसी प्रकार प्रयोग करते रहेंगे जैसे वे उनका इससे पूर्व करते आये हैं।

और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का यह मानना है कि अभ्यारण्य रूपी-भाबा पर्याप्त परिस्थितिकि, प्राणीजात, भू-आकृतिविज्ञान, प्राकृतिक या प्रापोविज्ञान के महत्व का है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, उक्त अधिनियम की धारा 26 (क) द्वारा उससे निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए रूपी-भाबा क्षेत्र को वन्य जीव या इसके पर्यावरण को संरक्षित प्रसारित या विकसित करने के प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाग से अभ्यारण्य घोषित करते हैं।

अभ्यारण्य के क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात्:—

उत्तर: मुख्य श्रीखण्ड धार, 5773 मीटर ऊंची कोकशाने चोटी (Lat. 31°-45'-33" N, Long. 77°—50'-12"E) से उच्च बिन्दुओं 5695 मीटर, 5530 मीटर, 5100 मीटर, 5205 मीटर, 5280 मीटर, 5365 मीटर, 4865 मीटर, 5430 मीटर, 5495 मीटर से हो कर उच्च बिन्दु 5567 मीटर तक (Lat. 31°-37'-34"N, Long. 78°-07'-46"E)

पूर्व: मुख्य श्रीखण्ड धार पर स्थित उच्च बिन्दु 5567 मीटर (Lat. 30°-45'-39"N, Long. 78°-06'-46"E) से दक्षिण की तरफ जाने वाली धार जो कि पहले निचार को मुरंग तहसील व बाद में कल्पा तहसील से अलग करती है, के मुक्कम धार पर स्थित 5496 मीटर ऊंची चोटी तक (Lat. 31°-37'-34"N, Long. 78°-07'-06"E)।

दक्षिण: 5496 मीटर ऊंची चोटी (Lat. 31°-37'-34"N Long. 78°-07'-06"E) से लिसतरंग गाड की ओर उतरती धार जो कि ओसयान से दक्षिण की ओर है व 3214 मीटर पर लिसतरंग गाड से मिलती है, और फिर गाड के साथ नीचे रतवा तक, जहां से सीमा आंगयार धार पर स्थित 4692 मीटर, 4853 मीटर, 5574 मीटर, 5349 मीटर बिन्दुओं से लेकर 5246 मीटर उच्च बिन्दु तक है। इसके बाद सीमा धार के साथ मुइलिंग से थोड़ा पहले आंगयार नाले के शुरू तक व फिर आंगयार नाले के साथ नीचे को और बांगर मंडेड (भाबा नदी) फिर नदी के पार दाहिनी तरफ धार पर स्थित 5176 मीटर उच्च बिन्दु तक। यहां से सीमा सीलिंग धार पर स्थित बिन्दुओं के साथ 4645 मीटर, 4336 मीटर, 3964 मीटर और 3550 मीटर तक और फिर पूर्व की ओर कन्डार खड्ड के साथ सक नटपा संरक्षित वन को नीचे की सीमा तक। यहां से एक नटपा संरक्षित वन की नीचे की सीमा के साथ व शिल्पे खेतों के बाहर से होती हुई डान्गारंग, रखचंग, सालारंग, तीरा, छोटा कम्बा व बड़ा कम्बा संरक्षित वनों को बाहरी सीमा के साथ होती हुई शोरंग खड्ड के साथ बड़ा कम्बा कुहल के आरम्भ तक। इसके बाद सीमा रूपी गांव के खेतों के बाहर से रूपी वन विश्राम गृह तक जाने वाले पैदल रास्ते के साथ श्रीखण्ड धार पर स्थित 3038 मीटर उच्च बिन्दु (Lat. 31°-35'-31" N, Long. 77°-49'-51"E) जो कि किन्नौर व शिमला जिले के सीमांकित करती है तक।

पश्चिम : 3038 मीटर उच्च बिन्दु (Lat. 31°-35'-31" N, Long. 77°-49'-51" E) से 5600 मीटर ऊंची घीणु पाणु चोटी से होकर शिमला जिले की सीमा के साथ श्रीखण्ड घाट पर 5773 मीटर ऊंची कोकशेन चोटी तक (Lat. 31°-45'-33" N, Long. 77°-50'-12" E)।

क्षेत्रफल 503 वर्ग कि० मी०।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
विस्वायुक्त एवं गन्धर्व।

[Authoritative English text of this department notification No. FFEB-F(6) 2/99-11 dated 7th September, 2001 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

FOREST DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 7th September, 2001

No. FFEB-F(6) 2/99-11.—Whereas Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 18 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 had issued notification No. Fts. (F) 3/82 dated 28-8-1982 declaring his intention to constitute Rupi-Bhaba Sanctuary in District Kinnaur.

And whereas proclamation as required under section 21 of the said Act, was published in the regional language and circulated in every Town and Village covered by the above notification on 30-3-1991 and objections were received from the public within the prescribed period.

And whereas the Collector, District Kinnaur in exercise of the powers vested in him under section 24(2) of the said Act, has carefully considered the objections raised by the interested persons and recommended deletion of private and forest land heavily burdened with the rights of the local inhabitants from Rupi-Bhaba Sanctuary and also recommended continuance of rights of the people as enjoyed by them as per the Forest Settlement Report of Bushehr State, 1921 in the above Sanctuary.

And whereas after careful perusal of the report of Collector, District Kinnaur, the Governor, Himachal Pradesh is satisfied that the private and forest land as recommended by the Collector, District Kinnaur should be excluded from Rupi-Bhaba Sanctuary which was notified on 28-8-1982.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh on the basis of the report of Collector, District Kinnaur and the concurrence given by the Chief Conservator of Forests (Wildlife)-cum-Chief Wild Life Warden H. P. under the provisions of section 24(2)(c) of the Wild Life (Protection) Act, 1972 is pleased to order that the local inhabitants shall be allowed to exercise the rights conferred vide Forest Settlement Report of 1921 of Bushehr State as are being enjoyed by them heretofore in the above sanctuary.

And whereas the Governor, Himachal Pradesh considers that Rupi-Bhaba Sanctuary is of adequate ecological, faunal, floral, geo-morphological, natural or zoological significance.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under section 26-A of the said Act is pleased to declare Rupi-Bhaba as Wildlife Sanctuary with immediate effect for the purpose of protecting, propagating or developing Wildlife or its environment.

The limits of the area of the Sanctuary shall be as under :—

North.—Main Srikhand Dhar, starting from Kokshane Peak 5773m (Lat. 31°-45'-33" N and long. 77°-50'-12" E) passing through high points 5695m, 5530m, 5100m, 5205m, 5280m, 5365m, 4865m, 5430m, 5495m, upto 5567m (Lat. 31°-45'-39" N & Long. 78°-06'-46" E).

East.—Ridge line from high point 5567 m (Lat 31°-45'-39" N & Long 78°-71'-06" E) on the main Srikhand mountain range heading South dividing first Nichar from Moorang Tehsil than Kalpa Tehsil till the point on the ridgeline of the Mukindhar upto peak 5496m (Lat. 31°-37'-34" N & Long. 78°-7'-06" E).

South.—From peak 5496m (Lat. 31°-37'-34" N & Long. 78°-71'-06" E) along the ridge descending down to Listrang Gad, South of Khosyan to meet the Listrang Gad at 3214m, and then along the stream till below Ratba, from where the boundary follows up the ridge of Angyar Dhar passing through points 4692m, 4853m, 5574m & 5349m upto 5246m. Then along the ridge till beginning of the Angyar Nala just short of Muil-ding. Down the Angyar Nala to Wanger Khad (Bhaba river) and then across the river to the ridge on the right side upto the point at 5176m. From there, along the ridge of Soling Dhar to Point 4645m along the ridge to 4336m, 3964m, then upto 3550m and then turning East along the Kandarkhad upto lower outer boundary of Sak Natpa PF. From there turning West along lower outer boundary of Sak Natpa PF excluding Shilpe cultivation and further along outer boundary of Dangrang P. F. Rakchang Salarang PF, Tira PF, Chhota-Kamba PF, Bara Kamba PF, then down to Shorang Khad upto the source of Bara Khamba, kuhl. Thereafter, the boundary following the forest foot-path upto Rupī FRH excluding the cultivation of Rupī village and upto the boundary of Kinnaur and Shimla District on Srikhand Dhar at point 3038m (Lat. 31°-35'-31" N & Long. 77°-49'-51" E).

West.—Starting from the high point 3038m, (Lat. 31°-35'-31" N & Long. 77°-49'-51" E) along the boundary with Shimla District to Srikhand Dhar via Ghishu Pashu Peak at 5600m upto Kokshane Peak 5773m (Lat. 31°-45'-33" N and Long. 77°-50'-12" E).

Area.—503 Sq. Kms.

By order,

Sd/-
F. C.-cum-Secretary.